

लेखनी से

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए...

(क) चौदहवीं, सत्रहवीं (ख) निर्गुण, सगुण(ग) पाछे (घ) लोक-लाज(ङ) सुपंथ

2. निम्नलिखित पंक्तियां पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए ...

तू जननी मन की अति भोरी , इनके कहे पतियाँ यो |

जिय तेरे कछु भेद उपजहै , जानी परायो जायो ||

(क) बालक कृष्ण यशोदा मैया को जननी कहकर पुकारते हैं |

(ख) लोगों ने यशोदा मैया से शिकायत की थी कि कृष्ण ने मक्खन चुराया है और माता ने विश्वास भी कर लिया था |

(ग) कृष्ण के वास्तविक माता व पिता देवकी और बासुदेव थे | जब यशोदा माता कृष्ण से नाराज हो गई तब से वे उनको ताना देते थे कि वे उनके पुत्र नहीं हैं | इसलिए वे कृष्ण के साथ ऐसा व्यवहार करती हैं |

(घ) जब कृष्ण ने भी बनावटी क्रोध दिखाया और अपनी लाठी व कंबल फेंक कर धमकी दी कि वह कभी गाय चराने नहीं जाएंगे तो यशोदा माता को हंसी आ गई | उन्होंने कृष्ण को गले लगा लिया |

3. निम्नलिखित वाक्यों पर सही या गलत का चिन्ह लगाइए

क. × ख. √ ग. × घ. √ ङ. ×

कुछ शब्दों में

1. आधुनिक काल में साहित्य रचना गद्य में आरंभ हुई तथा खड़ी बोली का प्रयोग शुरू हुआ |

2. यदि मनुष्य यह समझ ले कि ईश्वर हर प्राणी में है तो पल भर की तलाश में तुरंत ईश्वर हमें मिल जाएंगे |

3. तुलसीदास जी के अनुसार दुष्ट सेवक, कंजूस राजा, बुरी स्त्री और धोखेबाज मित्र धूल के समान होते हैं |

कुछ वाक्यों में..

1. हिंदी साहित्य को चार भागों में बांटा गया है आदिकाल या वीरगाथा काल , भक्ति काल रीतिकाल और आधुनिक काल 11 वीं शताब्दी से

चौधरी शताब्दी तक आदिकाल था जिसमें राजाओं का बखान था चौधरी से 17 वीं शताब्दी तक भक्ति काल जो स्वर्ण युग भी माना जाता है भक्ति की दो धाराएं थी सगुण तथा निर्गुण | सगुण भक्ति की भक्ति भी दो भागों में है राम भक्ति और कृष्ण भक्ति | 18 से 20 वीं शताब्दी तक रीतिकाल था जिसमें प्रेम व श्रृंगार की रचनाएं अधिक थी आधुनिक काल बीसवीं शताब्दी से प्रारंभ हुआ जब गद्य में वह खड़ी बोली में रचनाएं आरंभ हुई |

2. मीरा ने अपने प्रेम की तुलना एक लता से की है | जिसे वे आंसुओं से सींचती है उनके प्रेम रूपी बेल अब फैल चुकी है | उन्हें केवल आनंद रूपी फल मिलने का इंतजार है |

3. जो अपने दुख को धूल के समान वह मित्र के दुख को पहाड़ के समान समझते हैं , वह सच्चे मित्र होते हैं | जो मित्र के दुख से दुखी ना हो ऐसे मित्र को छोड़ देना चाहिए | अच्छा मित्र बुरे रास्ते से हटा कर अच्छे रास्ते पर ले जाता है | मित्र के दोषों को छिपाता है तथा उसके गुणों को प्रकट करता है | मित्र को देने व लेने में कभी संदेह नहीं करता बुरा मित्र सामने मीठी बातें करता है, पीछे बुरा सोचता है |